तोक्यो ओलंपिक

पदक का इंतजार खत्म कर सकती है भारतीय हॉकी टीमः श्रीजेश

अमर भारती संवाददाता

नई दिल्ली। अपने 14 साल के करियर में टीम की सफलता और असफलता को करीब से देखने वाले भारतीय हॉकी टीम के गोलकीपर पीआर श्रीजेश का मानना है कि 'बेहतरीन सुधार' करने वाली भारतीय टीम में अगले साल ओलंपिक में पदक के लंबे इंतजार को खत्म करने की क्षमता है। भारतीय हॉकी टीम का ओलंपिक में शानदार रिकार्ड रहा है जहां टीम ने आठ स्वर्ण के अलावा एक रजत और दो कांस्य पदक जीते हैं।

चार साल में एक बार होने वाले ओलंपिक में भारतीय टीम ने आखिरी बार सफलता स्वाद 40 साल पहले मास्को ओलंपिक में स्वर्ण जीत कर चखा था। श्रीजेश ने हालांकि माना कि हाल के दिनों में भारतीय टीम में काफी सुधार हुआ हैं।

हॉकी इंडिया से जारी विज्ञप्ति में उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि अब बहुत अंतर (दूसरी टीमों से तुलना में) नहीं है, हमने इस साल की शुरूआत में एफआईएच प्रो लीग में ऐसा कर दिखाया है। हम किसी को भी हरा सकते हैं, सिर्फ हरा ही नहीं सकते है बल्कि हमारे खेल की शैली उन पर हावी हो सकती हैं।'

उन्होंने कहा, 'अभी तैयारियों के लिए एक साल (तोक्यो ओलंपिक) का समय है। यह मेरे लिए सबसे बड़ा टूर्नामेंट होगा और मुझे लग रहा है कि यह भारतीय हॉकी के लिए काफी महत्वपूर्ण साल होगा।'

▶▶ पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, 'तोक्यो ओलंपिक वास्तव में ऐसा है जिसका मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। हम अपने खेल के विभिन्न पहलुओं में सुधार लाने में कामयाब रहे। हमारा फिटनेस का स्तर दुनिया की ज्यादातर दूसरी टीमों से बेहतर है'

श्रीजेश ने कहा, 'अगर हम अगले साल तोक्यो में अपनी क्षमता के मुताबिक प्रदर्शन करते हैं तो हम वास्तव में ओलंपिक पदक को अपने देश में वापस ला सकते हैं।'

भारत के लिए 2012 और 2016 में ओलंपिक में प्रतिनिधित्व कर चुके 32 साल के इस अनुभवी गोलकीपर ने माना कि वह अपने करियर के आखिरी पड़ाव पर हैं और उन्हें एक साल के लिए स्थगित किये गये तोक्यो ओलंपिक से काफी उम्मीदें हैं।

आईपीएल के आयोजन के लिए तैयार है यूएई

एजेंसी

दुबई। भारत में कोविड-19 के बढ़त मामलों के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में आयोजित करने की अटकलबाजियों के बीच दुबई सिटी के क्रिकेट एवं प्रतियोगिता प्रमुख सलमान हनीफ ने कहा कि वे इस तरह के बड़े टूर्नामेंट के आयोजन के लिये अपनी सुविधाओं को तैयार रख रहे हैं। आईपीएल का आयोजन सितंबर-अक्टूबर में किया जा सकता है क्योंकि 18 अक्टूबर से 15 नवंबर के बीच आस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 विश्व कप को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

हनीफ ने 'गल्फ न्यूज' से बात करते हुए कहा कि दुबई स्पोर्ट्स सिटी इस टी-20 लीग के संभावित स्थल के तौर पर तैयार है। स्पोर्ट्स सिटी में दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम और आईसीसी अकादमी शामिल हैं।

हनीफ ने कहा, 'अगर कम समयावधि में अधिक मैचों का आयोजन किया जाता है तो स्टेडियम में नौ विकेट बहुत अच्छी स्थिति में हैं। हम विकेटों को तरोताजा रखने के लिये अन्य मैचों का आयोजन नहीं करेंगे।'

यूएई में कोरोना वायरस के 50,000 से अधिक मामले सामने आये हैं जिनमें से 300 से अधिक लोगों ने जान गंवायी है। भारत में यह आंकड़ा दस लाख को पार कर चुका है और 25,000 से अधिक लोगों की मौत हुई है।

▶▶ दुबई सिटी के क्रिकेट एवं प्रतियोगिता प्रमुख सलमान हनीफ ने कहा कि वे इस तरह के बड़े टूर्नामेंट के आयोजन के लिये अपनी सुविधाओं को तैयार रख रहे हैं। आईपीएल का आयोजन सितंबर-अक्टूबर में किया जा सकता है क्योंकि 18 अक्टूबर से 15 नवंबर के बीच आस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 विश्व कप को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है

चला जिदान का जादू

रीयाल मैड्रिड बना ला लिगा चैंपियन

एजेंसी

मैड्रिड। जिनेदिन जिदान का जादू फिर से चल गया और रीयाल मैड्रिड गुरुवार को यहां विल्लारीयाल को 2-1 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल चैंपियनशिप ला लिगा में पिछले तीन साल में पहला और कुल 34वां खिताब जीतने में सफल रहा।

रीयाल मैड्रिड ने लीग की वापसी के बाद अपना विजय अभियान जारी रखा और उसने अपने करीबी प्रतिद्वंद्वी बार्सिलोना पर सात अंक की बढ़त बनाकर अपने नाम पर ट्राफी सुनिश्चित की। दूसरे नंबर पर काबिज बार्सिलोना को ओसासुना से हार का सामना करना पड़ा।

करीम बेंजेमा (29वें और 77वें मिनट) ने दो गोल किये जिससे रीयाल मैड्रिड ने लीग में अपनी लगातार दसवीं जीत दर्ज की। कोरोना वायरस के कारण लीग तीन महीने तक ठप्प रही थी और इसकी वापसी के बाद रीयाल मैड्रिड एकमात्र टीम है जिसने अपने सभी मैच जीते।

जब लीग शुरू हुई थी तब रीयाल मैड्रिड उससे दो अंक पीछे थी। एक खिलाड़ी के तौर पर चैंपियन्स लीग और विश्व कप जीतने वाले जिदान ने कहा, 'यह मेरी पेशेवर जिंदगी का सबसे अच्छे दिनों में से एक है। एक और खिताब। मैं चाहता था कि हम अपने प्रशंसकों के साथ इसका जश्न मनाये लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि अपनी टीम को खिताब जीतते हुए देखकर वे खुश होंगे।'

ब्रेक के बाद स्क्वाश कोर्ट पर वापसी चाहती हैं जोशना

अमर भारती संवाददाता

नई दिल्ली। भारत की शीर्ष रैंकिंग की स्क्वाश खिलाड़ी जोशना चिनप्पा खेल से करीब पांच महीने दूर रहने के बाद जल्द ही कोर्ट में प्रवेश की उम्मीद कर रही हैं, हालांकि खेल की राष्ट्रीय संस्था ने कोविड-19 महामारी के चलते सितंबर तक किसी भी गतिविधि की संभावना से इनकार किया है।

पिछले महीने भारतीय स्क्वाश रैकेट महासंघ (एसआरएफआई) के सचिव और पूर्व राष्ट्रीय कोच साइरस पोंचा ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि सितंबर से पहले कोई टूर्नामेंट आयोजित हो पायेगा।

उनके अनुसार चेन्नई में भारतीय स्क्वाश अकादमी में ट्रेनिंग बहाल करने की संभावना बहुत कम है। जोशना हालांकि कोर्ट पर वापसी के लिये आतुर हैं।

उन्होंने कहा, 'यह आसान नहीं है, कोर्ट पर वापसी नहीं कर पाना। मुझे कोर्ट पर गये हुए पांच महीने हो जायेंगे। मैं अकादमी में ट्रेनिंग करना पसंद करती हूं। उम्मीद करती हूं कि शीर्ष एथलीट के तौर पर हम सितंबर से पहले ट्रेनिंग कर पायेंगे।'

इस महीने के शुरू में विश्व रैंकिंग में शीर्ष 10 में वापसी करने वाली जोशना ने कहा, 'यह महत्वपूर्ण है क्योंकि हम बड़े टूर्नामेंट (2022 राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेल) की तैयारी कर रहे हैं। खेल से जुड़े रहना काफी अहम है। उम्मीद करते हैं कि हमें नियंत्रित माहौल में एक दिन में एक घंटा खेलने की अनुमति मिल जाये।'

आर्चर की गलती से हो सकता था करोड़ों का नुकसानः एशले जाइल्स

एजेंसी

मैनचेस्टर। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के निदेशक एशले जाइल्स ने कहा कि स्टार तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को कोविड-19 प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने के लिये अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना होगा क्योंकि इससे बहुत बड़ी समस्या पैदा हो सकती थी और ईसीबी को करोड़ों पाउंड का नुकसान हो सकता था। आर्चर को टीम के जैव सुरक्षित वातावरण का प्रोटोकॉल तोड़ने के लिये गुरुवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच से बाहर कर दिया गया था। उन्हें अब पांच दिन तक पृथकवास पर रहना होगा और इस दौरान उनके कोविड-19 के लिये दो परीक्षण होंगे।

ईसीबी ने यह नहीं बताया है कि उन्होंने कैसे प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया लेकिन रिपोर्टों के अनुसार यह तेज गेंदबाज पहले टेस्ट मैच के बाद ब्राइटन में अपने घर चला गया था।

जाइल्स ने पत्रकारों से कहा, 'हर (गलत) काम के लिये कार्रवाई होनी चाहिए और इस मामले में भी (अनुशासनात्मक) प्रक्रिया होगी। इससे बहुत बड़ी समस्या पैदा हो सकती थी। इसका प्रभाव गर्मियों के पूरे सत्र पर पड़ सकता था और हमें करोड़ों पाउंड का नुकसान हो सकता था।'

उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि उसे इसके संभावित प्रभावों के बारे में पता था। वह युवा है और युवा गलतियां करते हैं। उसे इससे सबक लेना होगा।'

ईसीबी ने कोरोना वायरस महामारी के बावजूद वेस्टइंडीज और पाकिस्तान को काफी प्रयासों के बाद अपने देश का दौरा करने के लिये मनाया था। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के बाद इंग्लैंड पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट और टी-20 श्रृंखला खेलेगा। आयरलैंड और आस्ट्रेलिया को भी इस सत्र में इंग्लैंड दौरे पर आना है। बारबाडोस में जन्में 25 वर्षीय आर्चर ने नियम तोड़ने के लिये क्षमा मांगी।

▶▶ जाइल्स ने पत्रकारों से कहा, 'हर (गलत) काम के लिये कार्रवाई होनी चाहिए और इस मामले में भी (अनुशासनात्मक) प्रक्रिया होगी। इससे बहुत बड़ी समस्या पैदा हो सकती थी। इसका प्रभाव गर्मियों के पूरे सत्र पर पड़ सकता था और हमें करोड़ों पाउंड का नुकसान हो सकता था'

बाढ़ प्रभावित असम को हमारी मदद की जरूरतः छेत्री

अमर भारती संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने शुक्रवार को कहा कि बाढ़ से प्रभावित पूर्वोत्तर राज्य असम पर तुरंत ध्यान देने और सहायता दिये जाने की जरूरत है क्योंकि यहां कई जलमग्न जिलों में लोगों की जान जा चुकी है और काफी लोग विस्थापित हो चुके हैं।

बाढ़ से अभी तक 70 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और राज्य के 26 जिलों में करीब 40 लाख लोग विस्थापित हो चुके हैं। काजीरंगा नेशनल पार्क भी करीब 90 प्रतिशत जलमग्न हो चुका है।

देश में कोविड-19 महामारी के बीच सभी का ध्यान इस विपदा की ओर कराते हुए छेत्री ने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा, 'प्रार्थनाओं के साथ, असम की ओर ध्यान दिये जाने की जरूरत और बाढ़ से उबरने के लिये मदद की जरूरत है।'

उन्होंने लिखा, 'इस विपदा में काफी जान जा चुकी हैं, जिसमें लोग और जानवर शामिल है और मैं सिर्फ उम्मीद ही कर सकता हूं कि इनकी संख्या बढ़े नहीं।'

खेल जगत से असम में बाढ़ की ओर ध्यान दिलाने वाले वह एकमात्र खिलाड़ी हैं।

खिलाड़ियों ने भारतीय फुटबाल में ओड़िशा सरकार के प्रयास को सराहा

अमर भारती संवाददाता

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) के महासचिव कुशाल दास और देश की इस शीर्ष संस्था से पंजीकृत खिलाड़ियों ने भारतीय फुटबाल के विकास में सहयोग देने के लिये ओड़िशा सरकार की सराहना की।

एआईएफएफ ने 2018 में ओडिशा सरकार के साथ समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किये थे तथा कई टीमों जैसे अंडर-15, अंडर-17, इंडियन एरोज और यहां तक कि सीनियर महिला टीम को तब से उसकी उच्चस्तरीय सुविधाओं का उपयोग करने का मौका मिला।

दास ने इस करार के लिये आभार व्यक्त किया। उन्होंने एआईएफएफ की विज्ञप्ति में कहा, 'ओडिशा सरकार के साथ करार का भारतीय फुटबाल के विकास में महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा। इसके बाद कई टीमों ने कलिंगा स्टेडियम परिसर की उच्चस्तरीय सुविधाओं का उपयोग किया। मैं इस अमूल्य सहयोग के लिये ओडिशा सरकार का आभार व्यक्त करता हूं।'

कारोबार बाजार आंकड़े

सेंसेक्स	निफ्टी	सोना	चांदी	रूपया
37020.14	10901.70	48878.00	52683.00	75.0150
548.46 (+1.50%)	161.75 (+1.51%)	105 (+0.21%)	73 (+0.14%)	0.1725 (-0.23%)

फसल बीमा योजना के तहत पंजीकरण कराएं किसानः तोमर

अमर भारती संवाददाता

नई दिल्ली। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने शुक्रवार को किसानों से कहा कि वे अंतिम तिथि से पहले प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत पंजीकरण कराने के लिए सामने आएं। इससे उन्हें खरीफ फसल के समक्ष आने वाली प्राकृतिक आपदा से सुरक्षा हासिल होगी।

तोमर ने कहा कि खरीफ -2020 सत्र के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों का नामांकन देश भर में जारी है। उन्होंने अधिक से अधिक किसानों से इस योजना का लाभ उठाने की अपील की।

उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में खरीफ 2020 सत्र के लिये अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2020 हो सकती है। केंद्र ने सभी किसानों के लिए नामांकन मुफ्त कर दिया है। उन्हें अब केवल प्रीमियम राशि का भुगतान करना है। एक वीडियो संदेश के माध्यम से, मंत्री ने सभी किसानों से प्राकृतिक आपदाओं के परिणामस्वरूप फसल की विफलता/नुकसान के कारण होने वाली वित्तीय हानि से खुद को संरक्षित करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2016 में इस योजना के शुरू होने के बाद से किसानों ने 13,000 करोड़ रुपये का प्रीमियम चुकाया था, जबकि उन्हें 64,000 करोड़ रुपये के दावों का भुगतान मिला। कोई भी किसान जो पीएमएफबीवाई के तहत नामांकित होना चाहता है, उसे अपने नजदीकी बैंक, प्राथमिक कृषि साख समिति, कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी), ग्राम स्तर के उद्यमियों (वीएलई), कृषि विभाग के कार्यालय या बीमा कंपनी के प्रतिनिधि से संपर्क करना चाहिए।

▶▶ कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि खरीफ -2020 सत्र के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों का नामांकन देश भर में जारी है। उन्होंने अधिक से अधिक किसानों से इस योजना का लाभ उठाने की अपील की

कर्ज देने के मामले में बैंकिंग को सुगम का काम कर रहा आईबीएः सीईओ

अमर भारती संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय बैंक संघ (आईबीए) कर्ज देने के मामले में बैंकिंग को सुगम बनाने पर काम कर रहा है और कोविड-19 संकट के बीच तेजी से निर्णय लेने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

आईबीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुनील मेहता ने शुक्रवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि सदस्य बैंक ऋण उत्पादों के डिजिटलीकरण पर काम कर रहे हैं ताकि ऋण की प्रक्रिया में मानवीय हस्तक्षेप कम से कम हो। उन्होंने कहा, 'बैंकिंग में सुगमता आईबीए के प्रमुख एजेंडे में से एक है और बैंकर इसके बारे में सोच रहे हैं। बैंकरों को तेजी से वितरण के बारे में सोचना होगा। बैंक इस महामारी को अपने ऋण उत्पादों के डिजिटलीकरण के लिये अवसर में बदल रहे हैं...अब से 6 महीने बाद आप अधिक डिजिटल ऋण उत्पाद पायेंगे।' उन्होंने 'पीएसबी लोन्स इन 59 मिनट्स' पोर्टल का हवाला देते हुए कहा कि इस तरह के 'एल्गोरिदम' आधारित निर्णय लेने के मंच को ऋण की पूरी अवधि तक के लिये प्रभावी बनाया जा सकता है, ताकि मानवीय हस्तक्षेप कम से कम हो।

उद्योग मंडल एसोचैम द्वारा आयोजित एक वेबिनार में उन्होंने कहा, 'बैंकिंग पिछले 10 वर्षों के दौरान बदल गई है। आगे इसमें और बदलाव होने जा रहे हैं। इन सुधारों की वास्तव में जरूरत है। बैंकर्स इस पर काम कर रहे हैं।'

Indian Banks' Association

'बैंकिंग में सुगमता आईबीए के प्रमुख एजेंडे में से एक है और बैंकर इसके बारे में सोच रहे हैं। बैंकरों को तेजी से वितरण के बारे में सोचना होगा। बैंक इस महामारी को अपने ऋण उत्पादों के डिजिटलीकरण के लिये अवसर में बदल रहे हैं...अब से 6 महीने बाद आप अधिक डिजिटल ऋण उत्पाद पायेंगे'

सोना वायदा में गिरावट, चांदी भी कमजोर

अमर भारती संवाददाता

नई दिल्ली। कमजोर हाजिर मांग के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों की कटान की जिससे वायदा बाजार में शुक्रवार को सोना 0.05 प्रतिशत की हानि के साथ 48,750 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अगस्त महीने में डिलीवरी सोना अनुबंध की कीमत 23 रुपये यानी 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 48,750 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। इसमें 8,473 लॉट के लिये कारोबार हुआ।

सोना के अक्टूबर महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 36 रुपये यानी 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 48,894 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। इसमें 11,248 लॉट के लिये कारोबार हुआ। न्यूयॉर्क में सोना 0.35 प्रतिशत की हानि के साथ 1,807.40 डॉलर प्रति औंस रह गया।

इसी क्रम में कमजोर हाजिर मांग के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को घटाया जिससे वायदा कारोबार में शुक्रवार को चांदी की कीमत 335 रुपये की गिरावट के साथ 52,275 रुपये प्रति किग्रा रह गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में चांदी के सितंबर महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 335 रुपये अथवा 0.64 प्रतिशत की हानि के साथ 52,275 रुपये प्रति किग्रा रह गयी जिसमें 14,954 लॉट के लिए कारोबार हुआ। वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में, चांदी की कीमत 0.64 प्रतिशत की हानि के साथ 19.64 डॉलर प्रति औंस रह गई।

शिव नाडर ने एचसीएल का अध्यक्ष पद छोड़ा

अमर भारती संवाददाता

नई दिल्ली। आईटी कंपनी एचसीएल टेक्नालॉजीज ने शुक्रवार को बताया कि जून 2020 तिमाही में उसका समेकित शुद्ध लाभ 31.7 प्रतिशत बढ़कर 2,925 करोड़ रुपये रहा। साथ ही कंपनी ने बताया कि शिव नाडर अध्यक्ष पद की भूमिका से हट गए हैं।

नाडर की बेटी रोशनी नाडर मल्होत्रा तत्काल प्रभाव से उनकी जगह लेंगी। कंपनी ने बताया कि निदेशक मंडल ने शिव नाडर के स्थान पर उनकी बेटी और कंपनी की गैर-कार्यकारी निदेशक रोशनी नाडर मल्होत्रा को बोर्ड और कंपनी का अध्यक्ष नियुक्त करने का फैसला किया है। उनकी नियुक्ति शुक्रवार से प्रभावी है।

कंपनी ने बताया कि शिव नाडर ने पद से हटने की इच्छा व्यक्त की थी और वह मुख्य रणनीति अधिकारी के पदनाम के साथ कंपनी के एमडी बने रहेंगे। एचसीएल टेक्नालॉजीज ने शेयर बाजार को बताया कि कंपनी ने अप्रैल-जून 2019 की तिमाही में 2,220 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था।

जायडस कैडिला को मिली कोविड-19 थेरेपी के क्लीनिक परीक्षण की मैक्सिको में मंजूरी

अमर भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दवा बनाने वाली भारतीय कंपनी जायडस कैडिला ने शुक्रवार को कहा कि उसे कोविड-19 के इलाज के लिये अपनी जैविक चिकित्सा 'पेगाइलेटेड इंटरफेरॉन अल्फा-2बी' के क्लीनिकल परीक्षण के लिये मैक्सिको के नियामक प्राधिकरण कोफेप्रिस की मंजूरी मिल गयी है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि उसे मैक्सिको के चिकित्सा नियामक कोफेप्रिस से जैविक चिकित्सा 'पेगाइलेटेड इंटरफेरॉन अल्फा-2बी (पेगीहेप टीएम)' का कोविड-19 के इलाज के लिये क्लीनिकल परीक्षण करने की मंजूरी मिल गयी है। कंपनी ने कहा कि उसने भारतीय औषधि महानियंत्रक से भी इसके परीक्षण के लिये मंजूरी मांगी है। कंपनी इस संबंध में अमेरिका के औषधि नियामक यूएसएफडीए के साथ मिलकर भी काम कर रही है।

अमर भारती में प्रकाशित समाचार, विचार, लेख अथवा विज्ञापन से यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो कृपया स्पष्टीकरण एवं सुझाव समूह सम्पादक की ईमेल- editor@amarbharti.com पर प्रेषित करें अथवा 9311222595 पर व्हाट्सएप करें।